हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा बोर्ड

परीक्षा सत्र–नवम्बर, 2019

पेपर नं0 2+4 हिन्दी (लिखित) अंक–60

समय– 2 घंटे

नोट–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है। कुल प्रश्न–7
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक कोष्ठक में दिये गये हैं।

प्रश्न–1 Translate into Hindi a passage in English.
(निम्न गद्यांश का हिन्दी अनुवाद कीजिए।)

Litigation is generally believed to be an unproductive investment both in time and money. Government has to conserve the resources, determine priorities of expenditure by a judicious approach so that unproductive litigation does not eat away a large chink of the scarce resources. In the absence of any effective grievance-resolution mechanism, the employees of the Government and its instrumentalities freely resort to litigation. The officer who initiates litigation is so much involved into it that his work as an employee suffers. A lack of credibility about the actions taken by the Government and its instrumentalities also contributes to the litigation explosion. Existence of wide discretionary power opens up a potential area either of its likely abuse or misuse. The only limitation is that its exercise be controlled by effective regulatory and control machinery. The dictum should be "don't litigate, if necessary, arbitrate." An attempt needs to be made to find any alternative method for resolution of disputes involving Government and its agencies. Choosing this very sentiment, State Litigation Policy pointed out that the State is no ordinary party for the States interest is to meet honest claims, vindicate a substantial defence and not to score a technical victory, to avoid just liability or take an unfair advantage. Avoidable litigation pursued relentlessly, discloses managerial failure. A litigation policy for the State should aim at settlement of governmental disputes with parties/citizens in a sense of conciliation rather than in a conflict mode.

The Policy outlines the broad guidelines on litigation strategies to be followed by the State Government or its agencies with a view to reduce litigation, saving avoidable costs on unproductive litigation, reducing avoidable load on judiciary with respect to government induces litigation and thus realizing the promise of Article 39 A of the Constitution, which obligates the State to promote equal justice and provide free legal aid.

(15 अंक)

प्रश्न–2 निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या सरल हिन्दी में करें।
(Rendering in to simple Hindi a passage in Hindi)

पर्वतराज हिमालय मानव संस्कृति की आदि है। वेदपुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत जैसे रत्न इसी के गर्भ से निकले। श्रद्धा, विश्वास व आस्था की देवी गंगा का जनक हिमालय महाकवि कालिदास का भी प्रेरणा–स्त्रोत रहा। इसी हिमाचल की मनोहारी उपत्पकाओं, हिमाच्छन्न धवल शिखरों, गुनगुनाते निर्झरों, हरित वनों, लुभावनी घाटियों के एक भाग का नाम हिमाचल हैं हिमाचल संस्कृति हिमालयीन संस्कृति ही है। किसी भी प्रदेश की संस्कृति उस की भौगोलिक स्थिति पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है। हिमाचल की जलवायु और भौगोलिक स्थिति में विविधता पाई जाती है। इसमें शिमला, धर्मशाला, डलहौजी जैसे स्वास्थ्य वर्धक स्थान भी है और लाहौल–स्पिति व किन्नौर जैसे हिमाच्छादित धवल पर्वतों वाले दुर्गम स्थान भी।

मुख्य व्यवस्था कृषि ही है। खान–पान का भी जीवन में विशेष महत्व है। त्यौहारों, विवाहादि उत्सवों पर भांति–भांति के पकवान पकाये जाते है। कुछ एक अन्तरों को छोड़कर लगभग सारे हिमाचल में एक ही जैसे रीति–रिवाज है। जन्म से लेकर मृत्यु तक एक ही प्रकार की प्रथाएं है। वेशभूषा का संस्कृति से गहन सम्बन्ध है। हिमाचली वेशभूषा की प्रमुख विशेषता यही है कि यह आज भी अपने आदि रूप में विद्यमान है। किन्नौर, लाहौल–स्पिति, कुल्लू, शिमला, कांगड़ा चम्बा आदि के लोगों को उनकी विशेष वेशभूषा से पहचाना जा सकता है। प्राचीन समय के आभूषण अभी तक भी हिमाचल में प्रचलित है। आभूषण पुरूष व स्त्रियों दोनों द्वारा पहने जाते है। हाल ही तक पुरूष भी कानों में बालियां पहनते है। हिमाचली लोकगीत अपने मार्धुय, लय, संतुलन के कारण भारतीय लोक गीतों में एक उच्च स्थान बनाये हुए है। जैसा कि बहुधा होता है, यहां भी लोक गीतों का मुख्य विषय–प्रणय है। इसके साथ–साथ धार्मिक गाथाएं, वीरगाथांए, ग्राम्य जीवन भी गीतों के वर्णन का विषय है। पौराणिक युग के गायन विद्या में प्रवीण यक्ष, गन्धर्व व किन्नरों के निवास स्थान हिमाचल में आज भी लोकनृत्य अपने आदि रूप में विद्यमान है। लाहौल स्पिति में लामाओं द्वारा एक विशेष नृत्य किया जाता है जिसे दानव नृत्य कहते है। यह आदि काल से चले आ रहे देव दानव संग्राम का प्रतीक है। हिमाचली लोक नृत्यों में नाटी भी एक महत्वपूर्ण एवं प्रसिद्ध लोक नृत्य है। हिमाचली मेलों में व त्यौहारों के पीछे कोई न कोई पौराणिक–ऐतिहासिक, धार्मिक या चमत्कारिक घटना अवश्य है। देवी–देवताओं की स्थापना, कोई चमत्कार दिखना, कष्टों के निवारण की घटना, किसी सिद्ध का अमर–गति को प्राप्त होना ही मेलों का मूल स्त्रोत है। हिमाचल में लोक नाट्य, कला, चित्रकला, पहाड़ी व कागड़ा कलम, चम्बा रूमाल का विशेष स्थान है।

(10 अंक)

प्रश्न–3 प्रायः यह देखा गया हे कि वर्तमान में अधीनस्थ कार्यालयों में नस्तियों का सही रख रखाव नही किया जा रहा है। इन का निर्देशानुसार बन्द (समापन) नहीं किया जा रहा है। नस्तियों को साफ सुथरा व प्रस्तुत योग्य व सन्दर्भित रखना भी आवश्यक है–अन्यथा कार्यलय में महत्वपूर्ण पेपर क्षतिग्रस्त हो रहे है। नस्तियां मोटी, भारी भरकम जर्जर रूप ले चुकी होती है। सरकार ने कई बार इस विषय पर निर्देश जारी किये है। कृप्या सभी अधीनस्थ कार्योलयों को ज्ञापन/या पत्र जारी करें तथा निर्धारित प्रक्रिया व निर्देशों को कढ़ाई से पालन करने का निर्देश दें।

(10 अंक)

प्रश्न–4 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें:–

1. Act under the authority.
2. Anticipated expenditure
3. Ex- gratia grant

4. In case it appears
5. Negotiated contract
6. Sinking Fund
7. Willful absence
8. Unnecessary

(8 अंक)

प्रश्न–5 निम्न मुहावरों एवं लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग करें:.

1. बाग–बाग होना
2. तिल का ताड़ करना
3. हाथो हाथ बिकना
4. मान न मान मैं तेरा मेहमान
5. आप मरे जग प्रलय

(5 अंक)

प्रश्न–6 निम्न शब्दों/वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखें:–

1. अभीभासण
2. घोश्णा
3. अनुवरती
4. परतीवेदक
5. मख्खी
6. प्रिशिक्शा
7. लड्डा

(7 अंक)

प्रश्न–7 निम्न अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें:–
(one word substitution)

1. जो विश्वास योग्य न हो।
2. जो किसी गुट से सम्बन्ध न रखता हो।
3. जिसके हस्ताक्षर नीचे दिये गये है।
4. जिस पर मुकदमा चल रहा हो।
5. जो अपने पदसे हटा दिया गया है।

(5 अंक)